सांध्य दैनिक
मंगलशुभकामनाएं.. नव विक्रम संवत्सर 2083 चैत्र नवरात्रि महोत्सव
आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel
डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट
DGR Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com
वर्ष : 11 अंक : 242 | इंदौर, गुरुवार 19 मार्च, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

विक्रमादित्य के नाम पर 1.01 करोड़ का अंतर्राष्ट्रीय सम्मान

सीएम बोले- गुड़ी पड़वा नवचेतना का प्रतीक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। भोपाल में गुड़ी पड़वा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि राज्य सरकार सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर 1 करोड़ 1 लाख रुपये का अंतर्राष्ट्रीय सम्मान शुरू करेगी। यह सम्मान भारतीय संस्कृति, समाज सेवा, नवाचार और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को दिया जाएगा। इस पुरस्कार के लिए नामांकन गुड़ी पड़वा से शुरू किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुड़ी पड़वा हमारी सांस्कृतिक परंपरा, शुभता और नवचेतना का प्रतीक है, जो हमें नए संकल्प लेने और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि यह पर्व प्रकृति के नवजीवन और परिवर्तन का भी प्रतीक है, क्योंकि इसी समय से नए संवत्सर की शुरुआत होती है।

● सीएम को पेशवाई टोपी पहना सम्मानित

कार्यक्रम का आयोजन मुख्यमंत्री निवास में समग्र मराठी समाज द्वारा किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री का पारंपरिक ढंग से ढोल-ताशों के साथ स्वागत किया गया। उन्हें पेशवाई टोपी पहनाकर सम्मानित किया गया और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भेंट की गई। विभिन्न शहरों से आए प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को गुड़ी भेंट की। साथ ही मराठी साहित्य अकादमी की पत्रिका 'अथर्वनाद' का विमोचन भी किया गया।

● राज्य सरकार ने एक दिन का अवकाश घोषित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति की जड़ें बहुत गहरी हैं और समय-समय पर कई चुनौतियों के बावजूद यह परंपरा कायम रही है। उन्होंने कहा कि गुड़ी पड़वा का पर्व उत्साह, उमंग और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है, इसलिए राज्य सरकार ने इस दिन अवकाश भी घोषित किया है।

● विक्रमादित्य, होल्कर के योगदान को किया याद

उन्होंने सम्राट विक्रमादित्य और लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के योगदान को याद करते हुए कहा कि इन महान व्यक्तित्वों ने भारतीय संस्कृति और सुशासन की मजबूत नींव रखी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इन आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। कार्यक्रम में मराठी समाज के कई प्रमुख प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर सांस्कृतिक और साहित्यिक गतिविधियों के माध्यम से भारतीय परंपरा और विरासत को सशक्त बनाने का संदेश दिया गया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर से गुड़ी पड़वा को करेंगे तीसरे जल गंगा संवर्द्धन अभियान का शुभारंभ

वर्षा की हर एक बूंद के संचयन का संकल्पबद्ध होकर करेंगे प्रयास

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, 19 मार्च, गुड़ी पड़वा (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) के दिन इंदौर के इस्कॉन मंदिर से तीसरे 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का शुभारंभ करेंगे। इंदौर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। इस दिन प्रदेश के सभी जिलों, नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में भी जल स्रोतों या नदियों के समीप कार्यक्रम आयोजित कर अभियान की शुरुआत की जाएगी। साढ़े तीन माह तक चलने वाले इस प्रदेशव्यापी महाअभियान का समापन 30 जून को होगा। इसमें 18 विभाग शामिल होंगे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का नोडल विभाग होगा, जबकि नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग सह-नोडल विभाग रहेगा। अभियान के संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

हर जिले में प्रभारी मंत्री के नेतृत्व में होगा क्रियान्वयन

जल गंगा संवर्धन अभियान का क्रियान्वयन संबंधित जिले के प्रभारी मंत्री के नेतृत्व में किया जाएगा। कलेक्टर जिलों में अभियान के नोडल अधिकारी होंगे। उनकी अध्यक्षता में जिला जल गंगा संवर्धन अभियान समिति कार्य योजना तैयार कर मॉनिटरिंग करेगी। इस समिति में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत-समन्वयक और सभी सहभागी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी सदस्य होंगे। स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों, कृषि-अभियांत्रिकी शिक्षण व शोध संस्थानों के प्रतिनिधियों, जिले के प्रतिष्ठित संत व महात्माओं और जिले के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को इस समिति में नामांकित किया जा सकेगा। विकास खंड स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नोडल अधिकारी होंगे। उनके नेतृत्व में विकास खंड जल गंगा संवर्धन अभियान समिति कार्यों की निगरानी करेगी। इस समिति में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत-समन्वयक और सहभागी विभागों के विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी सदस्य होंगे। जल संरक्षण व संवर्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 4–5 सरपंच तथा विकास खण्ड के प्रतिष्ठित व्यक्ति इस समिति में आमंत्रित किए जा सकेंगे।

ये विभाग अभियान में होंगे शामिल

जल गंगा संवर्धन अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन एवं आवास, वन, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्यानिकी, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, राजस्व, संस्कृति, जन अभियान परिषद और जनसंपर्क विभाग शामिल हैं। अभियान प्रदेश के सभी 55 जिलों में चलाया जाएगा। हर जिले में प्रभारी मंत्री के नेतृत्व में यह अभियान क्रियान्वित किया जाएगा। जिला कलेक्टर्स इस अभियान के नोडल अधिकारी बनाये गये हैं। वे विभिन्न शासकीय विभागों, समाजिक संगठनों एवं जन सहभागिता के परस्पर समन्वय से अधिकाधिक जल संचयन विकास कार्यों की योजना बनाएंगे और इनका समयबद्ध क्रियान्वयन भी सुनिश्चित करेंगे।

एक साथ जलीं सात चिताएं, बिहार के सेठिया परिवार के छह लोगों की अंत्येष्टि भी हुई इंदौर में

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर की ब्रजेश्वरी कॉलोनी में हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे शहर को झकझोर दिया है। बुधवार शाम जब तिलकनगर मुक्तिधाम में एक साथ सात चिताएं जलीं और एक नन्हे बच्चे को दफनाया गया तो मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। अग्नि हादसे में मृत आठ लोगों के शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपे गए। हादसे के शिकार छह लोग बिहार के किशनगंज के थे। शव बुरी तरह जल चुके थे और उन्हें बिहार ले जाना संभव नहीं था। इसके बाद उनकी अंत्येष्टि भी इंदौर में ही करने का फैसला लिया गया।

छह शव सीधे श्मशान लाए गए

कारोबारी मनोज पुगलिया और उनकी बहू सिमरन के शव ब्रजेश्वरी एनेक्स पहुंचे और वहां से शवयात्रा निकाली गई। हादसे में बची मनोज की पत्नी और तीनों बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल था। शवयात्रा श्मशान पहुंची। सेठिया परिवार के छह परिजनों के शव वाहन से सीधे श्मशान घाट लाए गए।

अपर मुख्य सचिव पहुंचे घटनास्थल

इस घटना की विस्तृत जांच के लिए राज्य सरकार ने अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन और विशेष डीजी आदर्श कटियार और विशेषज्ञों को घटनास्थल पर भेजा। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। राजन ने उक्त घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए शोक व्यक्त कर कहा कि इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए घटना से जुड़े हर पहलू की विस्तृत जांच की जाएगी। साथ ही एक एसओपी बनाई जाएगी। राजन ने कहा कि उक्त घटना से जुड़ी जांच के लिए आईआईटी के एक्सपर्ट और तकनीकी विशेषज्ञों की मदद से फॉरेंसिक जांच भी की जाएगी। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक वाहन विशेषज्ञों की एक बैठक कर पता लगाया जाएगा कि इलेक्ट्रिक वाहनों में चार्जिंग के दौरान इस तरह की घटनाएं क्यों हो रही हैं।

आकाशवाणी इंदौर द्वारा "लोकरंग उत्सव" का ऐतिहासिक एवं भव्य आयोजन संपन्न

1987 के बाद पहली बार इतने विराट स्वरूप में सजी लोकसंस्कृति की रंगारंग संध्या

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। भारत के लोक सेवा प्रसारक प्रसार भारती के अंतर्गत आकाशवाणी इंदौर द्वारा विक्रमोत्सव 2026 के अवसर पर, वीर भारत न्यास के सहयोग से आयोजित "लोकरंग उत्सव" का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन आकाशवाणी परिसर, मालवा हाउस इंदौर में मंगलवार को अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1987 के बाद यह पहला अवसर रहा जब आकाशवाणी इंदौर में इतने विशाल स्तर पर लोकसंस्कृति का विराट आयोजन देखने को मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम प्रमुख राजेश पाठक एवं अभियांत्रिकी प्रमुख अभय कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। मालवी परंपरा के अनुरूप अतिथियों को साफा बांधकर, शाल एवं श्रीफल भेंट कर तथा प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे सम्पूर्ण वातावरण लोक संस्कृति की गरिमा से ओतप्रोत हो उठा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजेश सिंह कुशवाह श्रीयुत श्रीराम तिवारी विशिष्ट अतिथि नरेश शर्मा और दिनेश दिग्गज ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में लोकसंस्कृति के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया। श्री तिवारी ने कहा कि आकाशवाणी जैसे मंचों के माध्यम से लोकसंस्कृति को राष्ट्रीय पहचान मिलती है और यह आयोजन उसी दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

श्री कुशवाह ने कहा कि "लोककला हमारी पहचान है, यह हमारी जड़ों से जुड़ने का माध्यम है, और ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनते हैं।

"लोकरंग उत्सव" का मंच मालवा, निमाड़, बुंदेलखंड एवं जनजातीय अंचलों की विविध एवं समृद्ध लोकपरंपराओं से सुसज्जित रहा। प्रस्तुतियों की श्रृंखला ने दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा और कार्यक्रम रात्रि 11 बजे तक उत्साहपूर्वक चलता रहा, जहां श्रोताओं ने न केवल आनंद लिया बल्कि कई अवसरों पर स्वयं भी लोकधुनों पर झूमते एवं नृत्य करते नजर आए।

मंच पर प्रस्तुत प्रमुख आकर्षण रहे

1. मालवी लोकगीत एवं नृत्य – हरिहरेश्वर पोद्दार एवं उनके साथियों द्वारा प्रस्तुत, जिसमें पारंपरिक मालवी लय और उल्लास ने वातावरण को जीवंत कर दिया।
2. निमाड़ी लोकगीत एवं नृत्य – पूर्णिमा चतुर्वेदी एवं मंडली द्वारा प्रस्तुत, जिसकी मधुरता और ताल ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।
3. बुंदेलखंडी लोकगीत एवं नृत्य – रामप्रसाद अहिरवार एवं साथियों द्वारा प्रस्तुत वीरता और उल्लास से परिपूर्ण प्रस्तुति।
4. गोंडी लोकगीत एवं नृत्य – बलिराम धुर्वे एवं दल द्वारा प्रस्तुत जनजातीय संस्कृति की अनूठी झलक।

विशेष आकर्षण के रूप में प्रस्तुत हैंगर गीतों ने दर्शकों का मन मोह लिया और पूरे सभागार में उत्साह का अद्भुत वातावरण निर्मित कर दिया। विशेष रूप से गोंडी नृत्य एवं निमाड़ी लोकनृत्य ने दर्शकों को सबसे अधिक आनंदित किया, जहां सभागार तालियों की गूंज से गूंज उठा और कई दर्शक स्वयं को थिरकने से रोक नहीं पाए।

इन सभी प्रस्तुतियों ने लोकसंगीत और लोकनृत्य की जीवंतता को दर्शाते हुए सम्पूर्ण वातावरण को उत्सवमय बना दिया। कलाकारों की ऊर्जा, पारंपरिक वेशभूषा और सुर-ताल के अद्भुत समन्वय ने कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आकाशवाणी इंदौर की संपूर्ण टीम का विशेष योगदान रहा। इस आयोजन में शहर के गणमान्य नागरिक, कला प्रेमी, श्रोता एवं बड़ी संख्या में दर्शकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस भव्य आयोजन के संयोजन का दायित्व श्री राजेश द्वारा, निर्देशन श्री संजीव कुमार मालवीय तथा तकनीकी निर्देशन श्री अभय कुमार गुप्ता द्वारा सफलतापूर्वक निभाया गया। कार्यक्रम का प्रभावशाली मंच संचालन राहुल एवं रूपाली द्वारा किया गया, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम को सजीव एवं आकर्षक बनाए रखा। साथ ही कार्यक्रम कंट्रोलर के रूप में कार्यक्रम अधिकारी श्री राहुल पँवार एवं श्री असीम कैथवास की मेहती भूमिका ने आयोजन को सफलता के शिखर तक पहुंचाया।

"लोकरंग उत्सव" का यह भव्य आयोजन न केवल दर्शकों के लिए एक अविस्मरणीय सांस्कृतिक अनुभव रहा, बल्कि भारतीय लोककला की विविधता, जीवंतता और समृद्ध परंपरा का प्रभावशाली प्रदर्शन भी सिद्ध हुआ। इस मनमोहक कार्यक्रम का प्रसारण 18 मार्च को आकाशवाणी इंदौर के विविध भारती चैनल पर प्रातः 10 बजे तथा प्राइमरी चैनल पर सायं 5 बजे से किया गया, जिससे अधिक से अधिक श्रोता इस सांस्कृतिक उत्सव का आनंद ले सकें।

स्टेट एक्शन प्लान, श्रम संहिताएं तथा चाइल्ड लेबर एण्ड बॉन्डेड लेबर अंतर्गत कार्यशाला सम्पन्न

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। सहायक श्रमायुक्त इंदौर द्वारा इंदौर एवं उज्जैन संभाग के विभागीय अधिकारी एवं संबंधित स्टेक होल्डर्स के लिए 17 मार्च मंलगवार को जालसभा गृह साउथ तुकोगंज इंदौर में स्टेट एक्शन प्लान एवं श्रम संहिताएं तथा चाइल्ड लेबर एण्ड बॉन्डेड लेबर का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उप श्रमायुक्त मुख्यालय इंदौर आशीष पालीवाल, सहायक श्रमायुक्त सिंगरौली बी.पी. सिंह, सहायक श्रमायुक्त उज्जैन श्रीमती राखी जोशी, ई.एस. आई.एस. डायरेक्टर चंद्रशेखर जायसवाल व विशेषज्ञ राज्य सलाहकार यूनिसेफ अमरजीत सिंह उपस्थित रहे।

कार्यशाला में अमरजीत सिंह, को-ऑडिनेटर, यूनिसेफ द्वारा बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 एवं बंधक श्रम अधिनियम 1976 के प्रावधानों से अवगत करवाया गया तथा श्रम विभागीय अधिकारियों द्वारा श्रम स्टार रेटिंग, कार्यस्थल पर सुरक्षा, हर्ट फ्री डेज, आरोह, श्रम विभाग से सम्बंधित योजनाएं, वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक, सुरक्षा संहिता 2020 एवं व्यावसायिक सुरक्षा स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता 2020 की जानकारी दी गई।

कार्यशाला में इंदौर व उज्जैन संभाग के श्रम विभागीय कार्यपालिक, योगेंद्र विकल, आयुक्त, सहायक भविष्य निधि, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, विशेष किशोर पुलिस इकाई, नियोजक, श्रमिक यूनियन प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वर्कशॉप का संचालन सुश्री तृप्ति डावर एवं अविनाश रंगारे श्रम निरीक्षक द्वारा किया गया। वर्कशॉप के अन्त में प्रश्न-उत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया।

आग ने मां के साथ आने वाली संतान को भी छीना

गर्भवती थी पुगलिया परिवार की बहू सिमरन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। ब्रजेश्वरी कॉलोनी में पुगलिया परिवार के मकान में लगी आग ने दो परिवारों को तबाह कर दिया। पुगलिया परिवार के मुखिया मनोज पुगलिया और उनकी बहू सिमरन की इस हादसे में मौत हो गई। सिमरन, मनोज के बेटे सौरभ की पत्नी थी। वह तीन साल पहले ही इस घर की बहू बनकर आई थी और गर्भवती थी। उसने इस परिवार के साथ एक नई जिंदगी के सपने भी संजोए थे।

चार महीने से अधिक की गर्भवती सिमरन अब इस दुनिया में नहीं रहीं और उनके साथ ही उस नन्ही जान ने भी दम तोड़ दिया, जो अभी इस दुनिया में आने वाली थी। गर्भवती होने के कारण डॉक्टरों ने आराम की सलाह दी थी। इस कारण सिमरन नीचे की मंजिल पर थी। हादसे में मृत कारोबारी मनोज पुगलिया के तीन बेटे हैं। दूसरे नंबर के बेटे की जनवरी माह में शादी हुई थी। उसकी पत्नी मायके में थी। तीसरे बेटे की शादी नहीं हुई है। बताया जाता है कि सौरभ ने अपनी पत्नी सिमरन को भी छत पर चलने के लिए कहा, लेकिन वह कुछ जरूरी सामान लेने कमरे के भीतर चली गई। इसके बाद पूरे घर में इतना धुआं भर गया कि नीचे के हिस्से में लोगों का दम घुटने लगा। मनोज के तीनों बेटे और पत्नी छत के रास्ते पड़ोसी की छत पर चले गए, जबकि मेहमानों को छत पर जाने का मौका भी नहीं मिल पाया। मनोज के साले विजय सेठिया और उनका परिवार रात को ही घर आया था। खाना खाने के बाद रात 12 बजे तक सभी नीचे बैठकर बातें करते रहे। इसके बाद सभी अलग-अलग कमरों में सोने चले गए थे। आग लगने पर तीनों बेटों को भागने के अलावा कुछ नहीं सूझा। सबसे पहले उन्होंने अपनी जान बचाई। घर में कीमती सामान और जेवर रखे थे। इन्हें निकालने के लिए बेटा सौरभ सुबह आठ बजे अपने जले हुए घर पर फिर पहुंचा। सौरभ ने बताया कि जब आग लगी, तब पूरे घर में काला धुआं भरा हुआ था और सांस लेने में काफी तकलीफ हो रही थी। फायर ब्रिगेड ने जले हुए घर से 9 गैस सिलिंडर भी निकाले, जिनमें कुछ खाली थे। आग उन सिलिंडर तक नहीं पहुंची, वरना हादसा और भी भयावह हो सकता था। हालांकि, रसोई घर में रखे एक सिलिंडर में विस्फोट हुआ था।

बिहार से इलाज के लिए आया था सेठिया परिवार

बुधवार तड़के इंदौर के बंगाली चौराहे के पास बृजेश्वरी कॉलोनी में हुए दिल दहला देने वाले अग्नि हादसे में बिहार के किशनगंज जिले के 6 लोगों समेत कुल 8 लोगों की मौत हुई है। मृतकों में शामिल विजय सेठिया अपने परिवार समेत किशनगंज से इलाज कराने इंदौर आए थे। विजय सेठिया पिछले कुछ समय से गंभीर रूप से अस्वस्थ थे। वे परिवार के साथ इलाज के सिलसिले में इंदौर स्थित अपने रिश्तेदार (पुगलिया परिवार) के घर रुके हुए थे। हादसे में किशनगंज के धर्मशाला रोड निवासी विजय सेठिया (65), सुमन सेठिया (60), छोटू सेठिया (22), राशि सेठिया (12), टीनू सेठिया (35) और तनय (8) तथा इंदौर के ब्रजेश्वर कॉलोनी, जहां यह हादसा हुआ निवासी मनोज पुगलिया (65) और उनकी बहू सिमरन (30) शामिल हैं।

अग्निवीर भर्ती रैली वर्ष 2027 के लिए एक अप्रैल तक कर सकेंगे अपना ऑनलाइन पंजीयन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। अग्निवीर भर्ती रैली वर्ष 2027 के अंतर्गत भारतीय सेना में योग्य युवाओं के चयन हेतु इंदौर एवं उज्जैन संभाग के 15 जिलों में भर्ती रैली आयोजित की जानी है। इस भर्ती प्रक्रिया का दायित्व सेना भर्ती कार्यालय महू को सौंपा गया है। वर्ष 2027 के लिए अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया 13 फरवरी से प्रारंभ हो चुकी है, जो 01 अप्रैल 2026 तक आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in के माध्यम से की जा सकती है। बताया गया कि वर्तमान में अग्निपथ योजना के प्रति पर्याप्त जागरूकता के अभाव में संभाग के विभिन्न जिलों में अभ्यर्थियों के पंजीयन की प्रगति अपेक्षाकृत कम पाई गई है। इस संबंध में जिला स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी, जिला रोजगार अधिकारी एवं जिला खेल अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे विद्यालयों, महाविद्यालयों, रोजगार मेलों, खेल संस्थानों एवं पंचायत स्तर तक युवाओं को अग्निवीर भर्ती हेतु पंजीयन के लिए प्रेरित करें। साथ ही, प्रभावी जनसंपर्क कार्यक्रमों के संचालन हेतु सेना भर्ती कार्यालय महू के साथ समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

श्रवण एवं वाणी बाधित प्रोफेशनल्स तथा साइन लैंग्वेज इंटरप्रेटर्स के लिए 40 घंटे का मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम समावेशी न्याय को सुदृढ़ करेगा - मुख्य न्यायाधिपति श्री संजीव सचदेवा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। समावेशी न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा देश का प्रथम श्रवण एवं वाणी बाधित प्रोफेशनल्स तथा साइन लैंग्वेज इंटरप्रेटर्स के लिए 40 घंटे का 5 दिवसीय मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम 14 से 18 मार्च 2026 तक इंदौर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम का समापन सत्र 18 मार्च गुरुवार को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के समिति कक्ष क्रमांक-1 में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक श्री न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायाधिपति एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष श्री न्यायमूर्ति विवेक रूसिया तथा अन्य न्यायमूर्तिगण की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इंदौर एवं ग्वालियर खंडपीठ के न्यायमूर्तिगण वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

यह कार्यक्रम पांच दिवसीय प्रशिक्षण की प्रमुख झलकियों का वीडियो प्रस्तुतीकरण दर्शाया जाकर प्रारंभ किया गया। प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए इस पहल के सकारात्मक एवं परिवर्तनकारी प्रभाव को रेखांकित किया। तत्पश्चात, मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति, उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली की वरिष्ठ प्रशिक्षक सुश्री अनुजा सक्सेना एवं सुश्री रीमा भंडारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा अनुभव साझा किये।

अपने समापन उद्बोधन में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक श्री न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा ने कहा कि न्याय का वास्तविक स्वरूप तभी साकार होता है जब वह प्रत्येक व्यक्ति तक सुलभ हो। उन्होंने यह भी व्यक्त किया कि संवाद में आने वाली बाधाएं न्याय तक पहुंच में अवरोध उत्पन्न करती है और इस प्रकार के नवाचार इन बाधाओं को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

मुख्य न्यायाधिपति श्री न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा द्वारा यह भी कहा कि मध्यस्थता केवल मौखिक संवाद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समझ, संवेदनशीलता और विश्वास पर आधारित प्रक्रिया है। उन्होंने प्रतिभागियों के दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए कहा कि जब इच्छाशक्ति मजबूत हो, तब कोई भी बाधा प्रगति में अवरोध नहीं बन सकती। उन्होंने आगे कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक प्रशिक्षण का समापन नहीं, बल्कि विवाद समाधान की एक नई, समावेशी सोच की शुरुआत है, जो आपसी सौहार्द और मानवीय संबंधों को सुदृढ़ करती है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायाधिपति एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष श्री न्यायमूर्ति विवेक रूसिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि मध्यस्थता केवल विवाद निराकरण का साधन नहीं, बल्कि समझ, सहानुभूति और पारस्परिक विश्वास पर आधारित एक प्रक्रिया है। उन्होंने इस पहल को एक अग्रणी प्रयास बताते हुए कहा कि यह श्रवण एवं वाणी बाधित व्यक्तियों को मुख्यधारा की मध्यस्थता प्रक्रिया में सम्मिलित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे न्याय वितरण प्रणाली अधिक समावेशी एवं सहभागितापूर्ण बनेगी। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में मध्यस्थता के प्रमुख आयामों जैसे संप्रेषण एवं वार्ता कौशल, नैतिकता तथा रोल प्ले अभ्यासों को शामिल किया गया, साथ ही सांकेतिक भाषा एवं दृश्य संप्रेषण माध्यमों के उपयोग द्वारा तकनीकों के अनुकूलन पर विशेष बल दिया गया। यह पहल समावेशी मध्यस्थता प्रथाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है तथा समाज के सभी वर्गों, विशेषकर दिव्यांगजनों के लिए न्याय को सुलभ, समान एवं सहभागितापूर्ण बनाने हेतु मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करती है। इस गरिमामय अवसर पर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल एवं रजिस्ट्री के अधिकारीगण श्री धरमिन्दर सिंह, मध्यप्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी के निदेशक श्री उमेश पांडव एवं अकादमी के अधिकारीगण सहित मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव सुश्री सुमन श्रीवास्तव, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अतिरिक्त सचिव श्री अरविन्द श्रीवास्तव एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के उप सचिव श्री अनिरुद्ध जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव सुश्री सुमन श्रीवास्तव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

बम धमकी से हड़कंप, कुछ नहीं मिला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर में बुधवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब संभागायुक्त कार्यालय और उसी भवन में संचालित श्रमायुक्त कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला। मेल में दावा किया गया था कि परिसर में साइनाइड गैस से लैस बम लगाए गए हैं, जो दोपहर में विस्फोट करेंगे। चेतावनी मिलते ही कर्मचारियों को तत्काल बाहर निकाला गया और पूरे भवन को खाली करा लिया गया। सूचना पर पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे। करीब एक घंटे तक चली सघन जांच और तलाशी के दौरान पूरे परिसर को खंगाला गया, लेकिन कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला। जांच के बाद अधिकारियों ने दोनों कार्यालयों को पूरी तरह सुरक्षित घोषित कर दिया, जिसके बाद कामकाज सामान्य हो गया। धमकी भरे ई-मेल में तमिलनाडु की राजनीति का जिक्र करते हुए द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार और डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन को निशाने पर लिया गया। मेल में भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल करते हुए सरकार पर कई आरोप लगाए गए। ई-मेल में कार्यालय के स्टाफ को "पाकिस्तान के जासूस" कहकर संबोधित किया गया और तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था से लेकर मीडिया और राजनीतिक फंडिंग तक पर सवाल उठाए गए। कुछ ट्रस्टों के जरिए विदेशी फंडिंग और उसके दुरुपयोग के आरोप भी लगाए गए। संदेश में यह भी लिखा गया कि यह धमकी उनकी ताकत का नमूना है और भविष्य में बड़े हमलों की चेतावनी दी गई। साथ ही यह संकेत दिया गया कि अगर 2026 में डीएमके दोबारा सत्ता में आती है तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। फिलहाल पुलिस साइबर सेल की मदद से ई-मेल भेजने वाले की पहचान और लोकेशन ट्रेस करने में जुटी है। शुरुआती जांच में इसे अफवाह फैलाने और दहशत पैदा करने की साजिश माना जा रहा है।

पेस्ट कंट्रोल फैक्ट्री में आग, पार्षद और स्थानीय लोगों ने बचाई मजदूरों की जान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। पालदा इलाके में बुधवार दोपहर पेस्ट कंट्रोल बनाने वाली एक फैक्ट्री में अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फायर ब्रिगेड के अनुसार, सुबह करीब 11 बजे एक बोहरा कारोबारी की फैक्ट्री में आग भड़की। फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में केमिकल और कच्चा माल रखा होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय पार्षद

कुणाल सोलंकी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि आग लगने के दौरान कुछ मजदूर अंदर फंस गए थे। पार्षद और स्थानीय लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। इस दौरान पुलिस और अन्य राहत टीमें भी मौके पर पहुंच गई थीं। आग की चपेट में आने से कुछ मजदूरों को हल्की चोटें आईं, जिन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। वहीं, शहर के भंवरकुआ इलाके स्थित आईटी पार्क में भी एक एक्टिवा में आग लगने की घटना सामने आई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

विक्रम संवत् 2083 के शुभारंभ अवसर पर 19 मार्च को सूर्य उपासना कार्यक्रम का गांधी हॉल में होगा आयोजन

- सम्राट विक्रमादित्य पर आधारित नाट्य प्रस्तुति का मंचन होगा
- कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट रहेंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग मंत्रालय भोपाल से प्राप्त निर्देशानुसार सृष्टि आरंभ दिवस (वर्ष प्रतिपदा) एवं विक्रम संवत् 2083 के शुभारंभ अवसर पर 19 मार्च गुरूवार को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों सहित इंदौर जिला मुख्यालय पर भी प्रातः 10 बजे से इंदौर के गांधी हाल में सूर्य उपासना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत सम्राट विक्रमादित्य पर आधारित नाट्य प्रस्तुति का मंचन होगा। आयोजन में मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय भोपाल द्वारा नाट्य/कला दल अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट होंगे।

इस आयोजन को सफल बनाने हेतु जिला स्तर के लिए कार्यक्रम स्थल पर संबंधित विभागों द्वारा प्रकाश एवं ध्वनि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। आयोजन के दौरान "भारत का नववर्ष – विक्रम संवत्" विषयक पुस्तिका का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। साथ ही इंदौर जिले के प्रमुख मंदिरों एवं स्थलों पर ब्रह्मध्वज स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के माध्यम से ब्रह्मध्वज उपलब्ध कराए गए हैं। इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक युवाओं, विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की सहभागिता रहेगी। इस आयोजन में संस्कृति विभाग अंतर्गत स्वराज संस्थान संचालनालय भोपाल का भी सहयोग रहेगा।

मोनालिसा लव-जिहाद पर संघ ने बताया संस्कारों का अभाव

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने प्रयागराज महाकुंभ मेले में मालाएं बेचकर चर्चा में आई मोनालिसा की लव मैरिज के मामले पर प्रतिक्रिया दी है। संघ ने इसे "संस्कारों के अभाव" से जुड़ा विषय बताते हुए परिवारों की भूमिका पर जोर दिया है। मालवा प्रांत संघचालक डॉ. प्रकाश शास्त्री ने कहा कि मोनालिसा "मालवा प्रांत की बेटी ही नहीं, बल्कि पूरे देश की बेटी है" और इस तरह के मामलों को समाज के लिए चिंतनीय बताया। उन्होंने कहा कि यदि परिवार बच्चों को सही संस्कार दें, तो ऐसे घटनाक्रम सामने नहीं आएंगे। डॉ. शास्त्री ने कहा कि आज परिवारों के विखंडन के कारण बच्चों को उचित संस्कार नहीं मिल पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि संघ "कुटुंब प्रबोधन" के माध्यम से परिवारों को जोड़ने और बच्चों में संस्कार विकसित करने का काम कर रहा है।

सांस्कृतिक परंपरा, शुभता और नवचेतना का प्रतीक है गुड़ी पड़वा : मुख्यमंत्री

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सांस्कृतिक परंपरा, शुभता और नवचेतना का प्रतीक गुड़ी पड़वा हमें नए संकल्प लेने, अपने जीवन में लक्ष्यों को अपनाने और समृद्धि की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। गुड़ी पड़वा हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ता है। हमें एकता, सद्भाव और समृद्धि का संदेश देता है। यह दिन नए संकल्प लेने और सकारात्मक ऊर्जा के साथ जीवन को आगे बढाने का अवसर प्रदान करता है। चैत्र प्रतिपदा नव संवत्सर का यह पर्व प्रकृति की हरितिमा और नवजीवन का प्रतीक है। यह समय दो ऋतुओं का संधि काल है, जिसमें प्रकृति नया रूप धारण करती है। यह तिथि ऐतिहासिक भी है, इसी दिन सम्राट विक्रमादित्य ने विक्रम संवत

का प्रारंभ किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समग्र मराठी समाज द्वारा मुख्यमंत्री निवास में नव वर्ष गुड़ी पड़वा पर्व के आरंभ के प्रतीक स्वरूप आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का इस अवसर पर ढोल ताशें के साथ परंपरागत रूप में स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन करते हुए उन्हें पेशवाई टोपी पेश की। इसके साथ ही उन्हें पटका और प्रतीक स्वरूप छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भेंट की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को महाराष्ट्र मंडल, नई दिल्ली सहित इंदौर, जबलपुर, भोपाल ,सागर, दमोह, छतरपुर, बीना, देवास, उज्जैन से आए समूहों ने गुड़ी भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर मराठी साहित्य अकादमी की पत्रिका का अथर्वनाद का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछले सौ -डेढ़ सौ वर्षों से मराठी कला, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय संस्थाओं के प्रतिनिधियों का सम्मान भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि सनातन संस्कृति की ध्वजा हर काल और हर युग में हमारी पहचान रही है। हमने कई आक्रांताओं का सामना किया, लेकिन कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी। सम्पूर्ण विश्व भारतीय संस्कृति और परंपरा के महत्व को स्वीकार करती है। भगवा ध्वज और तिरंगे के साथ युद्ध काल में अपने स्वाभिमान और देश के गौरव की रक्षा के अनेक उत्कृष्ट उदाहरण इतिहास में मौजूद हैं। गुड़ी पड़वा और नववर्ष सभी के लिए उत्साह, उमंग और आनंद का पर्व है। इसीलिए राज्य सरकार ने इस पर्व पर अवकाश घोषणा की है। गुड़ी पड़वा अर्थात चैत्र नवरात्रि के पहले दिन मंत्रीगण अपने प्रभार के जिलों में सूर्य को नमन करने के साथ गुड़ी पड़वा उत्सव के आयोजनों में सहभागिता करेंगे।

बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की तैयारी

8 जिलों के कलेक्टरों पर गिर सकती है गाज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। राज्य सचिवालय यानी वल्लभ भवन में इन दिनों फाइलों की आवाजाही बढ़ गई है। खबर है कि प्रदेश की प्रशासनिक मशीनरी में एक बड़ी सर्जरी होने वाली है। यह फेरबदल लंबे समय से उधार था, लेकिन पहले मतदाता सूची के पुनरीक्षण और फिर बजट सत्र की व्यस्तता के कारण इसे टाल दिया गया था। अब जब विधानसभा की कार्यवाही निपट चुकी है, तो सरकार का पूरा फोकस उन अधिकारियों को इधर-से-उधर करने पर है जो जिलों की कमान संभाले हुए हैं। सूत्रों की मानें तो इस बार उन कलेक्टरों पर गाज गिरना तय है जिन्होंने एक ही जिले में तीन साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है। 14 फरवरी को हुए पिछले फेरबदल में केवल 11 अधिकारियों को हिलाया गया था, लेकिन वह बदलाव ज्यादातर सचिवालय स्तर तक सीमित था। इस बार की सर्जरी सीधे ग्राउंड जीरो यानी जिलों पर असर डालेगी। प्रशासनिक गलियारों में चर्चा है कि यह लिस्ट बहुत पहले आ जाती, लेकिन दो मुख्य कारणों ने इसे रोक रखा था। पहला तो राज्य भर में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण का काम चल रहा था। इस दौरान ट्रांसफर के लिए चुनाव आयोग की मंजूरी अनिवार्य होती है, जिससे बचने के लिए सरकार ने इंतजार किया। दूसरा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सभी वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी राजधानी में जरूरी थी, ताकि वे विधायकों के सवालों के जवाब तैयार कर सकें।मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव की पहली दौर की चर्चा पूरी हो चुकी है। लिस्ट लगभग फाइनल है। माना जा रहा है कि कम से कम 8 जिलों के कलेक्टर बदले जाएंगे। कुछ को पदोन्नत कर मंत्रालय बुलाया जाएगा, तो कुछ को एक जिले से हटाकर दूसरे जिले की कमान सौंपी जाएगी। प्रशासनिक हलकों में इसे सर्जरी इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि यह बदलाव केवल चेहरों का नहीं, बल्कि कार्यशैली को बदलने की कोशिश है। पिछली बार जब 14 फरवरी को ट्रांसफर लिस्ट आई थी, तो उसका असर केवल मंत्रालय के भीतर के विभागों में दिखा था। तब से ही जिलों के कलेक्टर अपनी कुर्सी बचाने या मनचाही पोस्टिंग पाने के लिए लॉबिंग कर रहे थे। अब जब परफॉर्मेंस को ही एकमात्र हथियार बनाया गया है, तो कई दिग्गज अफसरों की धड़कनें बढ़ी हुई हैं।

● हरदा में हुआ कृषि आधारित कौशल विकास एवं कस्टम हायरिंग का राज्यस्तरीय किसान सम्मेलन

हर हाथ को काम, हर खेत को पानी, यही हमारा संकल्प : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हरदा जिले ने विकास के हर क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाई है। हरदा जिले में शत-प्रतिशत कृषि रकबे में सिंचाई की सुविधा विकसित हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जन कल्याण के लिए 4 विशेष श्रेणियां - गरीब, किसान, युवा और नारी कल्याण तय की हैं। राज्य सरकार इन सभी श्रेणियों सहित प्रदेश के औद्योगिक और अधोसंरचनात्मक विकास को भी ध्यान में रखकर काम कर रही है। मध्यप्रदेश सबसे तेज गति से युवाओं को रोजगार दिलाने वाला राज्य है। दूसरी ओर लाड़ली बहनों को हर माह 1500 रुपए की सौगात दी जा रही है। अगर बहनें रोजगार आधारित उद्योग में काम करेंगी तो उन्हें 5000 रुपए अलग से दिलाये जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में माताओं-बहनों का अपना अलग सम्मान है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए सांदीपनि विद्यालय स्थापित कर रहे हैं। हरदा को तीन सांदीपनि विद्यालयों की सौगात मिली है। बच्चों को निःशुल्क किताबें, साइकिल और दूध के पैकेट बांटे जा रहे हैं। मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप और स्कूटी देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है। हमारी सरकार हर हाथ को काम और हर खेत को पानी उपलब्ध कराने के संकल्प से आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को हरदा में कृषि आधारित कौशल विकास एवं कस्टम

हायरिंग पर केन्द्रित राज्यस्तरीय किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरदा जिले के लिए करीब 232 करोड़ रुपए के 41 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसमें 199 करोड़ रुपए लागत के 36 कार्यों का लोकार्पण एवं 32 करोड़ रुपए लागत के 5 निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर आयोजित आधुनिक कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और किसानों से उन्नत कृषि यंत्रों से खेती कर उत्पादन बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कृषि यंत्र की दुकाने (कस्टम हायरिंग सेन्टर) खोले जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व-सहायता समूह की बहनों को चेक, किसानों को ड्रिप सिंचाई किट, नरवाई प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण के लिए हितलाभ वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हलधर भगवान बलराम प्रदेश के किसान भाइयों के आदर्श हैं। राज्य सरकार ने किसान कल्याण वर्ष मनाने की शुरुआत की है। खेती के साथ, बागवानी और पशुपालन के प्रोत्साहन पर भी जोर दिया जा रहा है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया है। हरदा के किसानों के पास अब केज कल्चर से मत्स्य उत्पादन से लाभ कमाने का भी अवसर है। राज्य सरकार किसानों को गेहूं का उचित दाम दिलवाने के लिए संकल्पित है। इस वर्ष 40 रुपए का बोनस देकर 2625 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीदा जा रहा है। बहुत जल्द हम प्रदेश के किसानों से 2700 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीदेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में नरवाई का समुचित प्रबंधन करते हुए जैविक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। किसान भाई इससे जुड़ें। किसान नरवाई न जलाएं, इससे धरती माता की उर्वरक क्षमता प्रभावित होने लगती है। प्राकृतिक खेती के उत्पादों को मंडी में बेचने के लिए विशेष प्रबंधन किए जा रहे हैं। लघु किसानों को उन्नत कृषि यंत्र किराये पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए दुकानें खोलने का निर्णय लिया है। किसान कल्याण वर्ष में प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में किसान सम्मेलन आयोजित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नरवाई प्रबंधन के क्षेत्र में नवाचार करते हुए हमने गौशालाओं को नरवाई से भूसा तैयार करने के लिए यंत्र उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। हमारी सरकार गौशालाओं को मिलने वाला अनुदान 20 रुपए प्रति गौमाता से बढ़ाकर 40 रुपए किया है। प्रदेश में गौशाओं की संख्या बढ़ाई जा रही है। आज प्रदेश के 11 शासकीय विश्वविद्यालय और 20 अन्य कॉलेजों में बीएससी एग्रीकल्चर की पढ़ाई के कोर्स शुरू किए गए हैं। इसकी शुरुआत उज्जैन से की गई है। हरदा के कृषक भी बड़े पैमाने पर कृषि उद्योग लगाने के लिए आगे आएं। खेत से लेकर कारखाने तक सभी निर्माण कार्य और सुविधाएं देने के लिए सरकार तैयार है। किसान भाइयों को इसके लिए 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। कार्यक्रम में हरदा विधायक रामकिशोर दोगने, जिला पंचायत अध्यक्ष गजेंद्र शाह, जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष हरदा श्रीमती भारती राजू कमेड़िया सहित बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित थे।

सूर्य को अर्घ्य देकर हिंदू नववर्ष की शुरुआत : गुड़ी पड़वा पर सीएम करेंगे तरणताल-नैवेद्य लोक का लोकार्पण, गायक विशाल मिश्रा की भी प्रस्तुति

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन में गुरुवार को गुड़ी पड़वा के अवसर पर हिंदू नववर्ष और विक्रम संवत का शुभारंभ उत्साह और आस्था के साथ हुआ। सुबह श्रद्धालु रामघाट पर एकत्र होकर शिप्रा नदी में पूजन किया इस दौरान महिलाओ ने शंख बजाकर नववर्ष का आगाज कर और सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।

विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं ने भी शिप्रा तट पर विशेष अनुष्ठान आयोजित किए। सुबह गुडी पडवा पर्व पर नववर्ष की शुरुआत शिप्रा नदी के रामघाट पर पण्डे पुरोहित के साथ कुलगुरु अर्पण भारद्वाज, राम राजेश मिश्र, पंडित राजेश त्रिवेदी, माया त्रिवेदी, रमण सोलंकी सहित कई महिला पुरुष और विद्वान एकत्रित हुए, महिलाओ ने शंख बजाकर नव वर्ष की शुरुआत की तो वही बड़ी संख्या में लोगो ने सूर्य को अर्घ्य देकर हिन्दू नववर्ष की शुरुआत की। धार्मिक मान्यता के अनुसार, सृष्टि के आरंभ में भगवान महाकाल की प्रेरणा से ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की थी। इसी कारण गुड़ी पड़वा के दिन ब्रह्मध्वज का विशेष महत्व माना जाता है। महाकालेश्वर मंदिर सहित शहर के प्रमुख मंदिरों में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ ब्रह्मध्वज स्थापित कर ध्वजारोहण किया जाएगा।

संपादकीय

समुद्री सीमाओं पर भारत की चौकसी: ऊर्जा सुरक्षा की ढाल

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और तेल टैंकरों की आवाजाही को लेकर अनिश्चितता के बीच भारत ने अपने व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए बड़ा कदम उठाया है। जानकारी के मुताबिक, इंडियन नेवी ने ओमान की खाड़ी और अरब सागर में अतिरिक्त युद्धपोत तैनात करने का फैसला किया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ओमान की खाड़ी और अरब सागर में अपने जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त युद्धपोत भेज रहा है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि ऐसी उम्मीद है कि ईरान होर्मुज से और ज्यादा ईंधन टैंकरों को बाहर निकलने की अनुमति दे सकता है। सूत्रों के अनुसार नौसेना 6 से ज्यादा युद्धपोत और लॉजिस्टिक जहाज क्षेत्र में भेज रही है। यह तैनाती एहतियाती कदम के तौर पर की जा रही है, ताकि भारतीय जहाजों को सुरक्षित रास्ता मिल सके। सूत्रों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि भारतीय नौसेना एहतियाती कदम के तौर पर आधे दर्जन से ज्यादा युद्धपोत तैनात कर रही है, जिनमें लॉजिस्टिक्स जहाज भी शामिल हैं। ये जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्व में तैनात रहेंगे और इस जलमार्ग में प्रवेश नहीं करेंगे। इनकी भूमिका भारतीय जहाजों को इस क्षेत्र से तब तक सुरक्षा देना होगी, जब तक वे उत्तरी अरब सागर के सुरक्षित जलक्षेत्र में नहीं पहुंच जाते। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब उम्मीद जताई जा रही है कि ईरान जल्द ही होर्मुज से अधिक ईंधन टैंकरों को निकलने की अनुमति दे सकता है। यह जलमार्ग वैश्विक तेल व्यापार के लिए बेहद अहम माना जाता है और भारत की ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। ऐसे में भारत ने अपने जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नौसेना की मौजूदगी बढ़ा दी है, ताकि किसी भी संभावित खतरे से निपटा जा सके।

ज्ञान-विज्ञान

चैत्र नवरात्रि पूजा के नियम, नौ दिनों में क्या करें और क्या न करें?

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होती है, जो इस बार 19 मार्च, गुरुवार को पड़ रही है। हिंदू धर्म में इन नौ दिनों का बहुत खास महत्व होता है। इस दौरान दुर्गा मां के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, चैत्र नवरात्रि में पूजा के समय कुछ नियमों का ध्यान रखना आवश्यक होता है। पूजा में कुछ चीजों को करना वर्जित माना जाता है और कुछ चीजों को करने की मनाही होती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं चैत्र नवरात्रि की पूजा में क्या करें और क्या न करें।

चैत्र नवरात्रि पूजा में क्या नहीं करना चाहिए?

1. मान्यता है कि चैत्र नवरात्रि की पूजा करने वालों को भूलकर भी तामसिक भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है।
2. अगर आपके घर चैत्र नवरात्रि की पूजा होती है तो 9 दिनों के दौरान परिवार के किसी भी सदस्य को नाखून या बाल नहीं कटवाने चाहिए। ऐसा करने से प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है।
3. चैत्र नवरात्रि की पूजा के समय मन में किसी भी प्रकार के नकारात्मक विचार नहीं रखने चाहिए। साथ ही, किसी के प्रति मन में क्रोध और लालच की भावना नहीं रखनी चाहिए।
4. कलश स्थापना के लिए जो पंच पल्लव उपयोग किए जाते हैं उन्हें लेते समय इस बात का ख्याल रखें की पत्ते कटे-फटे नहीं होने चाहिए।
5. देवी दुर्गा की पूजा कभी भी चमड़े की बेल्ट, जैकेट आदि पहनकर नहीं करना चाहिए। क्योंकि पूजा के दौरान चमड़े से बनी चीजों का इस्तेमाल करना वर्जित माना गया है।
6. नवरात्रि के दौरान मंदिर और घर में गंदगी नहीं होनी चाहिए। घर और पूजा घर की साफ-सफाई के पश्चात ही मां दुर्गा की पूजा करनी चाहिए।
7. चैत्र नवरात्रि में भूलकर भी काले रंग के वस्त्र पहनकर पूजा नहीं करनी चाहिए। शास्त्रों में ऐसा करना वर्जित माना गया है।
8. ऐसी मान्यता है की अगर चैत्र नवरात्रि में अखंड ज्योत रखी गई हो तो उसे गलती से भी अकेले छोड़कर नहीं जाना चाहिए।

चैत्र नवरात्रि पूजा में क्या करना चाहिए?

1. नवरात्रि के प्रथम दिन शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना करने के पश्चात मां दुर्गा का विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। इन नौ दिनों के दौरान माता के नौ स्वरूपों की पूजा करनी चाहिए।
2. नवरात्रि की पूजा करने वालों को ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए पूरे नौ दिन श्रद्धा भाव से मां दुर्गा की आराधना करनी चाहिए।
3. मान्यता है की माता रानी का भोग जरूर बदलना चाहिए और भोग लगाने के कुछ देर बाद प्रसाद को वहां से उठा लेना चाहिए।
4. शास्त्रों में मां दुर्गा की पूजा में लौंग और कपूर प्रयोग करने का खास महत्व बताया गया है। ऐसे में पूजा के दौरान इन 2 चीजों को जरूर शामिल करें।
5. नवरात्रि के दौरान सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करने के पश्चात रोजाना मां दुर्गा का पूजा करनी चाहिए। साथ ही, इन 9 दिनों में अखंड ज्योत जलाने का भी खास महत्व होता है।
6. मां दुर्गा का पूजा में लाल, पीला, गुलाबी आदि रंगों के वस्त्र पहनना शुभ माना जाता है। इसका अनुकूल प्रभाव जातक के जीवन पर भी पड़ता है।
7. नवरात्रि में माता रानी को अर्पित किया गया श्रृंगार का सामान अंतिम दिन पूजा के बाद उठाकर किसी सुहागिन को दे देना चाहिए या फिर, अपने श्रृंगार के सामान में ही उसे खुद प्रयोग करना चाहिए।
8. अगर संभव हो तो नवरात्रि में 9 दिनों तक रोजाना एक कन्या को भोजन जरूर कराना चाहिए। ऐसा करना बहुत शुभ फलदायी माना गया है।

Gujrat

एक से ज्यादा शादी पर 7 साल जेल, लिव इन के कई नियम

गांधीनगर, (एजेंसी) उत्तराखंड के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित गुजरात में भी अब यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) लागू होने जा रहा है। बुधवार को हुई गुजरात कैबिनेट की बैठक में यूसीसी विधेयक के मसौदे को मंजूरी दी गई और विधानसभा सचिवालय को भेज दिया गया है। सरकार मौजूदा सत्र में ही इसे पारित कराना चाहती है।

यूनिफॉर्म सिवल कोड 2026 बिल सदन से पारित होने के बाद राज्य में सभी समुदायों के लिए शादी, तलाक, उत्तराधिकार और लिव इन रिलेशनशिप के नियम एक जैसे होंगे। हालांकि, आदिवासियों की अच्छी आबादी वाले राज्य में अनुसूचित जनजाति (STs) को इसके दायरे से बाहर रखा जा सकता है।

शादी की रस्में धार्मिक रीति-रिवाजों के मुताबिक होंगी, लेकिन प्रस्तावित विधेयक में विवाह और तलाक के रजिस्ट्रेशन को अनिवार्य किया जाएगा। इसका पालन नहीं करने पर 10 हजार रुपये के जुर्माने का प्रावधान किया जा सकता है। उत्तराखंड की तरह ही गुजरात में भी लिव इन रिलेशनशिप को कानूनी दायरे में लाने की व्यवस्था की जाएगी।

जिला रजिस्ट्रार के पास लिव इन के दोनों पार्टनर को अपने रिश्ते को पंजीकृत करना होगा। ना सिर्फ लिव-इन में साथ रहने को बल्कि अलग होने के फैसले को भी नोटिफाई करना होगा। ऐसे रिश्ते से यदि किसी बच्चे का जन्म होगा तो उसे वैधता होगी और सभी अधिकार प्राप्त होंगे। यदि किसी महिला को उसका लिव इन पार्टनर छोड़ता है तो वह गुजारा भत्ता मांगने की हकदार होगी।

सभी धर्मों के लोगों के लिए शादी की उम्र भी समान होगी। मसौदे के मुताबिक, पुरुषों के लिए यह उम्र न्यूनतम 21 और महिलाओं के लिए 18 रखी गई है। यदि दोनों भागीदारों में से कोई एक भ्रामक जानकारी प्रदान करता है तो विवाह को रद्द करने योग्य माना जाएगा। यूसीसी में बहुविवाह पर रोक का प्रावधान भी किया गया है। यदि कोई शख्स कानूनी रूप से तलाक लिए बिना दूसरी या तीसरी शादी करता है, अथवा एक से अधिक पत्नियां रखता है तो उसे सात साल तक की जेल हो सकती है।

New Delhi

बारिश ने निकाल दी गर्मी, दो दिन पहाड़ों पर मूसलाधार, पूरे मार्च कैसा रहेगा मौसम

नई दिल्ली, (एजेंसी) होली के आसपास से ही गर्मी का जो मौसम देखने को मिल रहा था, अब उसमें कुछ नरमी आई है। 14 मार्च को पहली बार हलकी बारिश मैदानों पर हुई थी तो वहीं पहाड़ों पर भारी बारिश से लेकर बर्फबारी तक हुई है। इसके चलते मौसम ने एकदम से करवट ली है और जल्दी आती गर्मी फिलहाल बारिश से निकल गई दिखती है। यही नहीं मौसम विभाग का कहना है कि अब जल्दी गर्मी की चिंता फिलहाल खत्म हो गई है। होली के आसपास जब गर्मी बढ़ी तो चिंताएं जताई जाने लगी थीं कि अब शायद गर्मी पहले आ जाएगी और लंबा सीजन चलेगी। अब इस पर बारिश ने कम से कम पूरे मार्च के लिए ब्रेक लगा दिया है।

यही नहीं 19 और 20 मार्च को दिल्ली एनसीआर में हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला, शिमला समेत ज्यादातर शहरों में भारी बारिश का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है। इसके अलावा उत्तराखंड में भी लगभग पूरे राज्य में बारिश होगी। कहीं अधिक तो कहीं कम, लेकिन पूरे राज्य में बारिश का अनुमान जताया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि इन दो दिनों के बाद भी अगले सप्ताह बारिश हो सकती है। इससे पूरे मार्च की मौसम कूल बना रहेगा। हालांकि अधिक बारिश होने की स्थिति में फसलों को भी नुकसान हो सकता है। अचानक मौसम में बदलाव की एक वजह यह भी है कि मार्च के मध्य में ही हिमाचल प्रदेश के ऊपरी इलाकों में जोरदार बर्फबारी हुई है।

Jammu & Kashmir

किश्तवाड़ के पाडर रोड पर भीषण सड़क हादसा, डंपर-कार टक्कर में एक की मौत, तीन घायल

जम्मू, (एजेंसी) किश्तवाड़-पाडर सड़क पर एक भीषण सड़क हादसे में डंपर और आल्टो कार के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार आल्टो कार में सवार चार लोग कीरु से किश्तवाड़ की ओर जा रहे थे। बेरवाड़ इलाके के पास पहुंचते ही चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा जिसके बाद कार सामने से आ रहे डंपर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में मृतक की पहचान मोहम्मद अशरफ (64) निवासी काहरा के रूप में हुई है। वहीं घायलों में मोहम्मद यासीन (38), नफीस अहमद (34) और मोहम्मद मुदस्सिर हुसैन (34) शामिल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, रेस्क्यू टीम, स्थानीय एनजीओ और लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को जिला अस्पताल किश्तवाड़ में भर्ती कराया गया है उनका इलाज जारी है।

Uttarpradesh

भाजपा कार्यालय में थप्पड़ कांड... महिला ने कॉलर पकड़ नेता को जड़ा तमाचा, चप्पल भी तानी

महराजगंज, (एजेंसी) यूपी के महराजगंज जिले में भाजपा कार्यालय में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक महिला ने सरेआम एक पदाधिकारी की पिटाई कर दी. स्वागत समारोह के बीच अचानक हुए इस घटनाक्रम ने वहां मौजूद कार्यकर्ताओं को भी हैरान कर दिया. देखते ही देखते कार्यक्रम स्थल पर हंगामा खड़ा हो गया.घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

जानकारी के मुताबिक, भाजपा कार्यालय परिसर में मनोनीत सभासदों और पदाधिकारियों के स्वागत के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया था. मंच पर नेताओं का स्वागत चल रहा था और कार्यकर्ता बधाई देने में जुटे थे. इसी दौरान एक महिला अपने बेटे के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंची और सीधे एक पदाधिकारी की ओर बढ़ गई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला ने बिना किसी झिझक के उस पदाधिकारी का कॉलर पकड़ लिया और उस पर पैसे हड़पने का आरोप लगाने लगी. इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते, महिला ने उसे थप्पड़ जड़ दिया. अचानक हुई इस घटना से वहां मौजूद लोग सकते में आ गए.

बताया जा रहा है कि यह पूरा मामला पैसे के लेनदेन से जुड़ा है. महिला का आरोप है कि उसने एलआईसी पॉलिसी के नाम पर करीब साढ़े चार लाख रुपये दिए थे, लेकिन वह रकम संबंधित व्यक्ति द्वारा जमा नहीं की गई. महिला लंबे समय से अपने पैसे वापस मांग रही थी, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका. इसी नाराजगी में महिला कार्यक्रम के बीच पहुंच गई और अपना गुस्सा जाहिर कर दिया. आरोप है कि थप्पड़ मारने के बाद महिला ने पदाधिकारी को कॉलर पकड़कर खींचा और बाहर ले जाने की कोशिश की. इस दौरान स्थिति और बिगड़ गई.

खेल

अगस्त में फिर आमने-सामने आएंगी भारत-पाकिस्तान की टीमें

क्रिकेट नहीं, बल्कि इस खेल में होगी टक्कर

नई दिल्ली, (एजेंसी) भारत और पाकिस्तान को मेंस एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए 'पूल डी' में रखा गया है। बेल्जियम और नीदरलैंड्स की सह-मेजबानी में आयोजित इस टूर्नामेंट में दोनों टीमें अपने मैच नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम में खेलेंगी। ये मुकाबले 15 से 30 अगस्त तक एम्स्टर्डम और वेव्रे (बेल्जियम) में आयोजित होंगे।

मंगलवार को नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम स्थित प्रतिष्ठित 'वैगेनर स्टेडियम' में एक रोमांचक आधिकारिक ड्रॉ समारोह आयोजित किया गया। यह उन दो स्थानों में से एक है, जहां आगामी विश्व कप के मैच खेले जाएंगे। दूसरा स्थान बेल्जियम के वेव्रे में स्थित बिल्कुल नया 'बेल्फियस हॉकी एरिना' है। ड्रॉ के जरिए एफआईएच हॉकी विश्व कप (बेल्जियम और नीदरलैंड्स 2026) के ग्रुप चरण के लिए पुरुष और महिला वर्गों के आठ पूलों का निर्धारण किया गया।

इस ड्रॉ में 16 टीमों को चार-चार के चार ग्रुप में बांटा गया है। भारत, पाकिस्तान के अलावा, पूल डी की अन्य दो टीमें इंग्लैंड और वेल्स हैं। भारत के लिए यह एक कठिन ड्रॉ है, क्योंकि क्वार्टरफाइनल में सीधे जगह बनाने के लिए उसे इंग्लैंड और पाकिस्तान से आगे निकलना होगा, जबकि प्रत्येक ग्रुप में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें टॉप-8 चरण में अपनी जगह पक्की करने के लिए 'क्रॉस-ओवर' मुकाबलों में हिस्सा लेंगी।

विमेंस एफआईएच वर्ल्ड कप बेल्जियम और नीदरलैंड्स में इन्हीं तारीखों पर आयोजित किया जाएगा। भारतीय महिला टीम का मुकाबला एक बार फिर इंग्लैंड से होगा। पूल डी में उनके साथ एशियन चैंपियन चीन और अफ्रीकन चैंपियन दक्षिण अफ्रीका भी शामिल हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम को कुछ दिन पहले ही तेलंगाना के हैदराबाद में खेले गए एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालीफायर के फाइनल में इंग्लैंड के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद टीम दूसरे स्थान पर रही थी। मुख्य टूर्नामेंट में ये दोनों टीमें एक बार फिर आमने-सामने होंगी।

पुरुष :

पूल ए: नीदरलैंड्स, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, जापान (नीदरलैंड्स में खेलेंगे)।

पूल बी: बेल्जियम, जर्मनी, फ्रांस, मलेशिया (बेल्जियम)।

पूल सी: ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, आयरलैंड, साउथ अफ्रीका (बेल्जियम)।

पूल डी: इंग्लैंड, भारत, पाकिस्तान, वेल्स (नीदरलैंड्स)।

महिला :

पूल ए: नीदरलैंड्स, ऑस्ट्रेलिया, चिली, जापान (नीदरलैंड्स में खेलेंगे)।

पूल बी: अर्जेंटीना, जर्मनी, यूएसए, स्कॉटलैंड (बेल्जियम)।

पूल सी: बेल्जियम, स्पेन, न्यूजीलैंड, आयरलैंड (बेल्जियम)।

पूल डी: चीन, इंग्लैंड, भारत, साउथ अफ्रीका (नीदरलैंड्स)।

सिनेमा

धुरंधर 2 अगर 1000 करोड़ कमाती है तो 500 करोड़ राकेश बेदी की वजह से... शूटिंग में बोले थे रणवीर

राकेश बेदी अपनी परफॉर्मेंस से धुरंधर 2 से दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। उन्होंने ऐसा सरप्राइज दिया जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। राकेश बेदी ने पाकिस्तान के पॉलिटीशियन जमील जमाली का रोल निभाया है। उनका किरदार आपको फिल्म में हंसाता और मजेदार ट्विस्ट लाता है। राकेश बेदी ने एक पॉडकास्ट में बताया कि उनको धुरंधर की टीम से कितना प्यार मिला। वह बोले कि आदित्य धर ने कहा था कि जब राकेश बेदी का आखिरी दिन होगा तो वह रो पड़ेंगे। राकेश बेदी इंडिया पॉडकास्ट्स से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने धुरंधर टीम की तारीफ की। वह बोले, 'बहुत अच्छी ट्यूनिंग रही और जब मेरा लास्ट दिन था तब रणवीर ने माइक अपने हाथ में ली और बोला, 'अगर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 1000 का धंधा करेगी तो 500 करोड़ राकेशजी की वजह से होंगे।'' राकेश ने बताया कि उन्होंने रणवीर से कहा था कि इतनी बड़ी बात ना बोलें लेकिन रणवीर बोले कि उन्होंने जो कहा है वो दिल से कहा है। राकेश बोलते हैं, 'एक कैरेक्टर एक्टर के लिए इससे बड़ी रिस्पेक्ट और क्या हो सकती है? एक डायरेक्टर जो बोल रहा है और उसने फिल्म के दौरान मेरे कंधे पर हाथ रखकर जो बोला, 'राकेशजी जब आपका लास्ट डे आएगा ना शूटिंग का तो मैं रो पड़ूंगा। सर मैं आपको मिस करूंगा।' तो इस तरह का माहौल क्रिएट हुआ पूरी फिल्म में। तो काम अच्छा ही होगा ना।'

Highlights

1. Why is India being considered as a potential mediator in the US-Israel-Iran war?
2. Delhi govt to provide ₹10 lakh compensation for Palam fire victims' families
3. Grateful to BJP for trusting me: Ex-cricketer Dinda on WB poll ticket
4. Lawyers clash with toll plaza staff in UP, SC says 'Legal profession tainted'
5. Over 200 Indians cross Iran-Armenia border, will return to India via Armenia

All in well at HDFC Bank, Keki Mistry says after sudden exit of Atanu Chakraborty

NEW DElHI, (Agency). Keki Mistry has sought to calm nerves of investors to employees and customers of HDFC Bank Ltd. alike after the sudden resignation of part-time chairman Atanu Chakraborty over "ethical concerns".

"None of us are aware of the issues raised by Chakraborty in the letter," said Mistry, who served as chief executive officer of Housing Development Finance Corp. Ltd. (HDFC Ltd.) before the mega HDFC Bank merger in 2023. "There's no power struggle within the bank."

HDFC Bank's share price fell as much as 8.41% to ₹772.00 on Thursday, after India's largest private-sector lender said that Chakraborty has resigned citing differences over "values and ethics".

"Certain happenings and practices within the bank, that I have observed over last two years, are not in congruence with my

personal values and ethics. This is the basis of my aforementioned decision," Chakraborty said in his resignation letter to the board, a copy of which was shared in an exchange filing on Thursday (19 March 2026). "I confirm that there are no other material reasons for my resignation other than those stated above."

Mistry, who is a non-executive (non-independent) director on the HDFC Bank board, has taken interim charge as the part-time chairman. Deputy MD Kaizad Bharucha will get more responsibility going forward. There's no question on the reappointment of Sashidhar Jagdishan as the chief executive officer of the bank, Mistry said. His current term ends on 26 October 2026.

"Differences on minor issues do come up from time to time — no material issues raised," Mistry went on to say today. "There could be a relationship issue between Chakraborty and the management."

According to CEO Sashidhar Jagdishan, Chakraborty's resignation has nothing to do with operational profitability of the bank. "We will re-examine organisation structure as we move forward."

Wired Wisdom: Altermagnetism for storage, and DailyObjects' unimpressive Loft

NEW DElHI, (Agency). Opening thoughts. Meta Platforms Inc. is shutting down a feature that it says never truly caught on. End-to-end encryption for Instagram direct messages (or as the cool kids call it, DMs) will no longer be supported after 8 May. Mind you, unlike WhatsApp, end-to-end encryption was never a default setting on Instagram DMs—except some users in some geographies had the ability to opt-in. If you have enabled this on some chats and they are about to be

impacted, Meta says "you will see instructions on how you can download any media or messages you may want to keep". There is a serious shortage of hard drives, solid-state drives and memory, and executives tell me time and again that they expect this trajectory to continue through 2026. Coincidentally, I've written about the WD_Black P10 Game Drive (this is an HDD) as well as the Sandisk Extreme Fit SSD, which is incredibly interesting. Nevertheless, back to the point. A team of researchers from the National Institute for Materials Science (NIMS), the University of Tokyo, Kyoto Institute of Technology, and Tohoku University have had a new magnetic material breakthrough, which can indirectly lead to the end of the current memory and storage crisis.

अवैध गैस कारोबार पर जिला प्रशासन की सख्त कार्रवाई

आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। जिले में गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण एवं अवैध कारोबार पर जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में न्यू लोहा मंडी क्षेत्र में पकड़े गए अवैध गैस गोदाम मामले में आरोपी हरिओम गुप्ता के विरुद्ध आज लसूड़िया थाने में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराई गई है।

उल्लेखनीय है कि विगत दिवस जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हरिओम गुप्ता के अवैध गैस गोदाम पर छापा मारा था। इस दौरान मौके से 24 व्यावसायिक गैस सिलेंडर एवं 42 घरेलू गैस सिलेंडर सहित कुल 66 सिलेंडर बरामद किए गए। साथ ही गैस रिफिलिंग में प्रयुक्त तीन इलेक्ट्रिक मोटर, दो तोल कांटे एवं एक बुलेट मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में खाद्य विभाग की टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अवैध गैस भंडारण एवं कारोबार करने वालों के विरुद्ध इसी प्रकार सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रखी जाए। जिला प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अवैध गैस गतिविधियों की जानकारी प्रशासन को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकें।

गैस सिलेंडरों के अवैध कारोबार और अवैध भंडारण की सूचना कंट्रोल रूम में कोई भी नागरिक दे सकते हैं। कंट्रोल रूम का दुरभाष नम्बर 0731-2993900, मोबाईल नम्बर 9599504501 तथा 8989711272 है। मोबाइल के व्हाट्सएप पर भी सूचना दी जा सकती है। शिकायत और सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

आईएएस के फार्म हाउस पर जुआकांड

दबिश से पहले दो पुलिसकर्मी अपने साथियों के साथ फार्महाउस पर मौजूद थे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर के पास महू के अवलीपुरा गांव में एक सीनियर महिला आईएएस अधिकारी दंपती के फार्महाउस पर बड़े जुआ नेटवर्क के भंडाफोड़ के बाद हड़कंप मचा हुआ है। मानपुर पुलिस ने यहां दबिश देकर 18 जुआरियों को गिरफ्तार किया, जिनमें सरकारी शिक्षक से लेकर बड़े कारोबारी तक शामिल हैं। इस पूरे मामले के तार इंदौर से जुड़ते नजर आ रहे हैं। जांच में सामने आया है कि दबिश से पहले इंदौर के दो पुलिसकर्मी अपने साथियों के साथ फार्महाउस पर मौजूद थे। आरोप है कि ये लोग जुए की रकम में से हिस्सा लेकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने जब फार्महाउस के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तो सफेद रंग की क्रेटा कार में जीतू और विकास नाम के पुलिसकर्मी दिखाई दिए। उनके साथ सुमित नाम का एक बाहरी व्यक्ति और दो अन्य लोग भी मौजूद थे। इस मामले में मास्टरमाइंड जगदीश उर्फ कुबड़ा उर्फ राठौर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। फार्महाउस के केयरटेकर रंजीत जाट को भी आरोपी बनाया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों पुलिसकर्मी उस दिन अपनी ड्यूटी से गायब थे। चेकिंग के दौरान भी विकास ड्यूटी पर नहीं मिला, जबकि बाद में उसने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। दोनों पहले सस्पेंड हो चुके टीआई लोकेश हिलारे के साथ भी काम कर चुके हैं।

सूत्रों के मुताबिक फार्महाउस पर जुआ महज तीन दिन पहले ही शुरू हुआ था। संदेह है कि इंदौर के पुलिसकर्मियों ने ही इस जुए की सूचना उच्च अधिकारियों तक पहुंचाई, जिसके चलते स्थानीय मानपुर पुलिस को भी पहले से जानकारी नहीं थी। महू के एडिशनल एसपी रूपेश द्विवेदी ने बताया कि वे दबिश के 30-45 मिनट बाद मौके पर पहुंचे थे, लेकिन उन्हें वहां इंदौर पुलिस के कोई कर्मचारी नहीं मिले। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और इंदौर पुलिस के अफसर भी अपने स्तर पर जानकारी जुटा रहे हैं।

ज्योतिषीय/अनुष्ठानिक
सलाह -मार्गदर्शन हेतु सम्पर्क करें
"एक सलाहकार और शुभचिंतक"
।। बाबापण्डित ।।
(अनुष्ठानिक कार्य एवं हरिकथा प्रेमी)
आपकी परिस्थितियों को समझते हुए मेरी एक अनुष्ठानिक प्रयोग की सलाह आपकी पीड़ा / समस्या के समाधान में सहायक हो सकती है।
- कतिपय अनुष्ठान प्रयोग -
एक दिवसीय महागणपति एवं आदिदेवभास्कर अभिसिंचन अनुष्ठान
एकदिवसीय अष्टमहालक्ष्मी विनायक अनुष्ठान
एकदिवसीय महादेवरुद्र स्तवन अनुष्ठान
एकदिवसीय हनुमंतवंदन- वाल्मीक सुंदरकांड अनुष्ठान
त्रिदिवसीय सत्यनारायण पूजनकथा - हरिकथा अनुष्ठान
इसके अन्यत्र यजमान की समस्या की भूमिका एवं प्रकृतिनुसार अन्य वैदिक/शास्त्रोक्त अनुष्ठानों का भी प्रयोग समस्या निवारण में किया जा सकता है।
कृपया अपनी जिज्ञासा/समाधान हेतु संपर्क करे।
Email - babapandit.in@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक